# सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 139 | नवम्बर : 2021


## इस अंक में...


7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

### 18 आर्थिक घटना संग्रह

- वैश्विक विनिर्माण जोखिम सूचकांक 2021 में भारत को दूसरा स्थान
- एसबीआई ने खोला डल झील पर एक तैरता हुआ एटीएम
- केन्द्र सरकार ने दूरसंचार क्षेत्रक में 100 प्रतिशत FDI को दी मंजूरी
- भारत का पहला यूरो ग्रीन बॉण्ड जारी

### 21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन
- नीति आयोग ने शुरू किया शून्य कार्यक्रम
- प्रधानमंत्री मोदी ने किया शिक्षक पर्व-2021 का उद्घाटन
- सरकार ने बदला मानवरहित विमान प्रणाली नियम 2021
- प्रधानमंत्री मोदी ने किया राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास
- प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च किया संसद टीवी

### 25 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- हिन्द-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के लिए त्रिपक्षीय गठबंधन 'ऑकस' की घोषणा
- टाइम मैगजीन ने 2021 के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची जारी की
- हुरून इंडिया फ्यूचर यूनिकार्न लिस्ट–2021
- 13वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन गोवा में आयोजित

### 29 खेल खिलाड़ी

- टोक्यो पैरालिम्पिक में भारत 19 पदकों के साथ 24वें स्थान पर रहा
- बीजिंग 2022 शीतकालीन ओलम्पिक का आधिकारिक नारा लॉन्च
- डच ग्रैंड प्रिक्स 2021 नीदरलैंड्स में सम्पन्न

33 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

36 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### लेख

39 **साइबर सुरक्षा लेख**–भारत में निगरानी व्यवस्था में सुधार

40 **प्रौद्योगिकी लेख**–नए ड्रोन नियम

42 **पारिस्थितिकी लेख**–हिमालय के ग्लेशियर और ब्लैक कार्बन

43 **कृषि लेख**–गन्ना उद्योग : चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएं

44 **कृषि प्रौद्योगिकी लेख**–एग्रीस्टैक : कृषि क्षेत्र हेतु नया डिजिटल प्रयोजन

77 **वर्षांत समीक्षा 2020**–पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-136 का परिणाम**

82 **रोजगार अवसर**

### हल प्रश्न-पत्र

45 हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा 2020 (लेवल-2 : कक्षा 6 से 8 तक)

51 उत्तर प्रदेश प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (PET), 2021

### मॉडल हल

58 आगामी एस.एस.सी मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

64 आगामी उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा वन आरक्षी परीक्षा, 2021 हेतु विशेष हल प्रश्न

70 आगामी राजस्थान पटवार भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न



संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008



सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

# स्नेह के दीपक बनिए

**अप्प दीपो भवः**
**अपना प्रकाश स्वयं बनो**

*तमसो मा ज्योतिर्गमय–अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाइए–यह प्रभु से ऋषि की प्रार्थना है. अज्ञान के अंधकार में स्नेह का दीपक जलाइए–प्रकाश का साम्राज्य हो जाएगा–यह दीपावली का संदेश है.*

*प्रकाश हमारी आकांक्षा और आनन्दानुभूति का प्रतीक है. इसी प्रतीक को व्यक्त रूप प्रदान करने के लिए दीपावली आती है. अमावस के अंधकार में पूर्णिमा के बीज बोकर ही हम दीपावली में निहित शब्दहीन वाणी को सुन समझ सकते हैं.*

*कालिदास की इन्दुमती चलती-फिरती दीप शिखा की भाँति जिस नरेश के सामने होकर जाती है उस क्षण उसके सामने प्रकाश फैल जाता है और जब वह आगे बढ़ जाती है, तो वही स्थान प्रकाश से वंचित होकर मलिन दिखाई देने लगता है. तुलसीदास की सीता फुलवारी में जिधर चली जाती हैं–वह स्थल प्रकाशित हो जाता है–करत प्रकास फिरत फुलवाई.*

*स्पष्ट है प्रकाश की महिमा सार्वभौम एवं सर्वकालिक है. हम भी यदि प्रकाश विकीर्ण करके अंधकार को दूर करने के माध्यम बन सकें, तो जीवन सार्थक हो जाए–गरीब किसान की झोंपड़ी के अंधकार को दूर करने वाले दीपक बन सकें, तो हम अपने अस्तित्व की सार्थकता पर गर्व कर सकने के अधिकारी बन सकते हैं. प्रकाश का आकर्षक एवं कल्याणकारी स्वरूप किस प्रबुद्ध को न झकझोर देगा ? किसका प्रेरणा स्रोत न बन जाएगा ? बालकवि बैरागी का यह कथन सर्वथा स्पृहणीय है–*

*जिसने माँ का दूध पिया है वे ही आगे आते हैं, वे सूरज बेशक न बन सकें, लेकिन मशाल बन जाते हैं, महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हमारे स्नेह का दीपक मिट्टी का है अथवा स्वर्ण निर्मित है, महत्वपूर्ण है उसमें भरा हुआ स्नेह रूपी घृत अथवा तेल, जो अंधकार को मिटाने का हेतु बनता है ? हिन्दी की प्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा यही तो कहती हैं कि अंधकार के निवारण पर ध्यान दीजिए, वही साध्य है; साधन कुछ भी हो सकता है–''दीपक मिट्टी का हो या सोने का, मूल्य उसकी लौ का है अंधेरे का कोई भी तीर उसकी लौ को निगल नहीं सकता है'' आन्तरिक शक्ति एवं ज्ञान-ज्योति को लक्ष्य करके कहा जाता है–चिराग में जितना तेल होगा, उतनी ही अभिव्यक्ति तो हो सकेगी. संकट और संघर्ष के क्षण यह तय करते हैं कि हमारे अन्दर कितनी आत्मिक शक्ति है ? हमारे चिराग में कितना तेल है, हवा के झोंके दीपक की लौ को सहज नहीं बुझा पाते हैं, छोटे से दीपक में तूफानों का सामना करने की अद्‌भुत क्षमता देखकर आश्चर्य हो सकता है, परन्तु ये ही तो परीक्षा की घड़ियाँ होती हैं ? दमदार दीपक सहज बुझते नहीं हैं–*